>

Title: Need to run trains on schedule in North-Eastern Railways.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.प्र.): अध्यक्ष महोदया, मैं देश के महत्वपूर्ण रेल प्रतिष्ठान के संबंध में बात करना चाहता हूं, जिससे देश के साधारण जन चलते हैं और जिसके न चलने से सारा देश रुक जाता है। उक्त प्रतिष्ठान के पूर्वोत्तर रेलवे की जो स्थिति है, उसके चलते आज हजारों-लाखों लोग ही परेशान नहीं हो रहे हैं, बल्कि उसके क्रिया-कलाप के चलते गोरखपुर से ओरीजिनेट होकर चलने वाली गोरखधाम ट्रेन, जिसको साढ़े चार बजे गोरखपुर से चलकर सुबह छह बजे दिल्ली पहुंचना चाहिए, वह वहां से 29 नवम्बर को साढ़े छह बजे चलती है और काफी विलंब यानी दस बजकर चालीस मिनट पर यहां दिल्ली पहुंचती है। इस कारण यहां आने वाले संसद सदस्य भी समय से नहीं आ पाते और न ही उन्हें पढ़ने का मौका मिलता है। दो दिन से रोज अखबारों में छप रहा है कि माननीय संसद सदस्य प्रश्न काल में नहीं आये। लेकिन यह कैसे हुआ? गोरखपुर से यहां आने के लिए कोई और साधन नहीं है, कोई फ्लाइट नहीं है। मुझे वहां जाना पड़ा, क्योंकि रविवार को महराजगंज में प्रधानमंत्री सड़क योजना के संबंध में जिला पंचायत की बैठक थी । जब उसी दिन मुझे वहां से यहां आना था, तो वहां से जो एकमात्र ट्रेन ओरीजिनेट होती है, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि न केवल मैंने, बल्कि गोरखपुर के जो संसद सदस्य हैं--योगी आदित्यनाथ जी, बृज भूषण सिंह जी , जगदम्बिका पाल आदि सबका उस ट्रेन में रिजर्वेशन था। हम लोगों ने वहां के जनरल मैनेजर को एक बार नहीं, कई बार फोन किया कि इस ट्रेन को तुंत शुरू करवाइये, क्योंकि कल लोक सभा का सत्र है। लेकिन ट्रेन वहां दो घंटे रोक कर रखी गयी। उसके बाद आने वाली ट्रेनों को आगे बढ़ाकर वहां से चलवाया गया, लेकिन उस ट्रेन को रोके रखा गया। आज पूर्वोत्तर रेलवे में हजारों यात्री रोज ट्रेनों के विलंब के चलते परेशान हो रहे हैं। वहां स्थिति यह हो गयी है कि गोरखपुर-नौतनवा एक आमान परिवर्तन था, उसके लिए तीन महीने का समय लिया गया, उसे ब्लाक किया गया, लेकिन वह सैक्शन तीन महीने की बजाय दस महीने तक ब्लाक रहा जिससे लोगों को असीम परेशानियों का सामना करना पड़ा। उसके ब्लाक रहने की वजह से गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, डुमरियागंज-बढनी, सिद्धार्थ नगर के यात्रियों जिन्हें गोरखपुर जाना था, उन्हें काफी परेशानी हुई। पूर्वोत्तर रेलवे ने तीन महीने की बजाय दस महीने का समय लिया कि हम इसे बनायेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हर्ष वर्धन जी, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री हर्ष वर्धन : मैं अपनी बात समाप्त ही कर रहा हूं। ...(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह (कैसरगंज): मैं कहना चाहता हूं ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हैं, आप बैठ जाइये। आप अपने समय में बोल चुके हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री बृजभूषण शरण सिंह : मैं उस दिन हाउस इसलिए नहीं आ पाया। अखबार वाले रोज लिखते हैं कि संसद सदस्य प्रश्न काल में नहीं आये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री हर्ष वर्धन : वहां जो कंट्रोलर ऑफ मूवमैंट है और जो क्षेत्रीय महाप्रबंधक है, ...(व्यवधान) इस मामले को संज्ञान में लिया जाये। ...(व्यवधान) उनके विरूद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि उनके आचरण से संसद सदस्य बदनाम होते हैं। ...(व्यवधान) बदनामी हमें सहनी पड़ती है।